

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) ART II -Section 3—sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 11 1983/माघ 22, 1904

No. 45]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 11, 1983/MAGHA 22. 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate ; ignor is given to this Part in order that it may 14 filed as a separate compliation

(वित मत्राच्य)

(राजस्व विभाग)

अधिनचनःए

नई विल्ला, 11 फन्यरी, 1943

स० 20 सीम:-शुरक

सांव काव निव 62(आ। - निदाय सरकार की मान्यान का प्रतियम 1963 (196 को न ही भारा उनकी उपप्रांग (1) द्वा प्रदत्त शिक्तिया का प्रयोग करते हुए ध्यनों पह सभा गत हो पर कि लोक हित में ऐसा करते का प्रयोग के हैं इससे जीकड़ नारणी के का कर मानिवास विविद्यार भारा की -

- (क) सीमा णुलक टीरफ अधिनियम 1975(1975 का 51) की पहला अनुमूचों के अधीन उस पर उद्ग्रहणात सम्पूण उत्पाद शतक सं, मीर
- (ख) उन्त सीमा-गल्क टैरिफ कधिनियम को धारा उ के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अभिरिक्त भूल्क स

उक्त सारणी क स्तम्भ उकी तत्स्थानी प्रविष्टि मे विनिधिष्ट शती के प्रक्रीन रहते हुए, छूट देती है।

सारगो-इ

अभ स० माल की बणन

स्टर्न 💤

(1) $\overline{(}$

(3)

नहींदा । में मान १५८३ में अपाणित किया जान नाम हुए गुरुर्निरमको सारों के साल्य शिखा अधिवान के ति । नदीं से रिट्या टली निजन, प्रैस फाटा प्रोप फिल्क माल्यमी द्वारा प्रायानित वृत्तिक उपस्कर और अस्य प्रायानित ना इसमें इस मान का ध्यान नदा । स्वा जायेगा कि आयान यानी सामन में ते या अस्यया।

विश्व मनालय पर्यंक भागम मे पर प्रभाणित कर 🔭 (वा **ऐ**सा सामा मान । क्रिक्तिसा में कायाजि कि । ज्ञान व्याल गट-निरमक्ष राष्ट्रा के सानवे शिखर मधिनगम क सक्य म देखीर र प्रकर्तास्त्रयक **मीना ग**ुल्का क्ष पंकटर के समाधार प्रव क्य में यह अचनबद्ध करना है ि उक्त उपस्कर र्योग ग्रहा महा उस्त शिखर प्रतिवशन के व्यक्ति समाप्त सं फ़रू मास के या ऐसी बढ़ाई गई। अवधि के भीतर, जा मीमा-शुल्क सहायक कलकटर धनुज्ञान करे, पन निर्यात कर दिया जायेगा भीर पूर्वाक्त रूप में उन्हें निर्यात करने

 भारतसरकारवात्राक्षितसाध्यमः पशिनिश्रियों या सगटना धारा पायानिक श्रीनर उपस्कर और भ्रन्य अवेक्षित साल जहागरा मात ावदेणी मानिकां हा राज्य 📑 🔒 . में नई दिवनों से आयाजित किये जाने वाने गट-निरपक्ष साहा के गानवं णिखर स्रधिवंशन के निये नई दिल्ली में उनने प्रसिनिधियों पा **४**यरोद्धारा उपयोगके लि रेग्नन्थरित मिया गया है।

3 इत्तराच रचता प्रीट म निविद्यान व्यक्ति में कर समया आहेर सं∗ोसी तोनी,हिंग प्रामण्डनी द्वारा क्षामानित स्वप्तत् १ तः सात जैसे (फल्स, टप, पर्नण बाब)

में दशकार रचन में। दशा में बह उस गल्क के। सदाय करसा जा अस पर उस समय उद्ग्रहर्णत्य हाता अब कि इसमें भ्रत्निविष्ट छट न की गई होती ।

विज्या सङ्गालय प्रत्येक मामल म प्रमाणित कर्या है कि ऐसा क्रायात रुख, 1053 मान्ही दिल्ली में घाषाजित किये जान तात गुड निरमक्ष राष्ट्रा र मानवे शिखर अधियेणन के सब्ध में भारत सरप्र (र का पत्याचित भाष्यम प्रतिनिधियाः या रणदना प्रारा किया गया है और द्धायानकर्ता यह वस्त्रकड वण्ता है कि उपन उपस्कार ग्रीर श्रन्य द्यपेक्षित माल उक्त णिखर फाँब-वेशन के ग्रांतम सभापतन भे छह भास के वा तमी धराई गई प्रकाध के भीतर जासीमा-णार सहायक कलक्टर अनजार कर पन नियंति कर दिया जायगा अंग्रि अधासन रूप में उमें निर्यात करने के लिये फलफल रहन की दणामें बहादस शस्त्रकामदायकरेगा जी ज्यापर जस समय जद्ग्रहणीय होता अब ि इसस मनाक्षिट खुट न दी गई होत ।

[बुर्ग स्थापिय । १४४४ सामलेसे प्रमाणित करता है कि ऐसा फायान माच्च jार से नई दिवर्ला मे घा ।।घन ।क्रो जन याले गट ी-ाज गारा ह साधव **शिखर** % प्रायाणात्र कामवध्यात्र प्रायाल क्षा यह अन्यस्वद्ध करता है उपयान किया स्या स्रीप पदार न किया गया दाना प्रकारका मात হ∓র নামের জিলার সংগ্রেরমান ক झोतिम समापन की सारी कास छह मास 🖈 था ऐसी। बढ़ाई गई अविब वे से तर, जा से ना शल्क सहायक कान्त्रर धनज्ञात कर एक निर्मात क्षार दिया आयेगा ग्रीट परातिस रूप मे पन नियान करन मध्यफल रहन की दशा से बहाउस लाक का सदाय वरेंगा जा अस अर उस संसय उत्थरणीय होते। जब कि इसम प्रस्तिबाट पृष्ट ५ वं गण होती । प्रज्ञान पर्नात्त्र किल ज्ञान

ान एसे साती का कास *रही*। क्राना मा इस प्राप्त स्त्रा जिधा हैया उटल जाना है कि प्त 'बक्क सर घीरण का मामल मे भिद्रास्तात्र हारा उसके बारे में रेस प्रमाणित किया जाना है।

फिर०स० 1 जुन्त/अ_लना०-ग०- [V]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 11th February, 1983

No 20/CUSTOMS

G.S.R. 62 (E).—In exercise of the povers conferred by sub section (1) of section 25 of the Customs Act 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in column 2 of the Table annexed hereto from-

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section of the said Customs Tariff Act,

subject to the conditions specified in the corresponding entry in column 3 of the said Table

TABLF

Description of goods ы Conditions foi exemptions No 2 1

1 Professional equipments and other requisites imported by loreign radio, television, press, photo and film media men regardless of whether the import is in baggage or otherwise for the Seventh Summit Meeting of the Non-Aligned Nations to he held at New Delhi in Much 113

The Ministry of External Aftairs certifies in each case that such import is in connection with the Seventh Summit Meeting of the Non-Aligned Nations to he held at New Delhi in Maich 1983, and the importer gives an undertaking to the satisfaction of the Assistant Collector of Custonis that the said equipment and other re quisites shall be re-exported within six months from the final closure of the said Summit of within such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow, and in the event of failure to re export as aloresaid, to pay duty which would have been leviable thereon but for the exemption contained herein

3

2 Professional equipment The and other requisites imported by media representatives or organisations accredited to the Govern ment of India where such goods are transferred by the principals abroad for use by their representatives or bureaus in New Delhi toi the Seventh Summit Meeting of the Non Aligned Nations to

Ministry of External Affairs certifies in each case that such import is by the media representative or organisations accredited to the government of India in connection with the Seventh Summit Meeting of the Non-Aligned Nations to be held it New Delhi in March 1983 and the importer gives as undertaking to the satis-

(2)

be held at New Delhi in March 1983.

3. Consumable stores such as films, tapes, flash bulbs imported by the media men and media representatives or organisations referred to in Script Nos. 1 and 2 above.

faction of the Assistant Collector of Cusioms that the said equipment he other requisites shall six re-exported within final the months from closure of the said Seventh within Summit of the extended period as Assistant Collector of Customs may allow, and in the event of failure to re-export as aforesaid, to which would pay duty have been leviable thereon but for the exemption contained herein

(3)

The Ministry of External Affairs certifies in each case that such import is in connection with Summit Meeting Seventh of the Non-Aligned tions to be held at New Delhi in March, 1983 and importer undertakes to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the goods both used ∋nd unused shall be re-exported within six months from the date of final closure of the said Seventh Summin or within such extended period as Assistant Collector Customs may allow and in the event of failure to re-export as aforesaid, to pay the duty which would have been leviable thereon but for the exemption contained began. Provided that the condition of re-export shall not

apply to such goods which

(1) (2) (3)are lost or destroyed beyond recovery and are so certified in each case by the Ministry of External Affans.

[No. 20/Γ. No 426/40/82-CUS. IV]

म० 21/मीभा शस्क

सारकार्जार्जन ५३(य)--- बन्द्रीय सरकार, बिन पधिनियम, १५८३ ैं(1982 का 14) की धारा 44 की उपधारा(4) के साथ पठिस मीमा-शृत्य अधिनियम, १९६३ (१९६३ का ५३) की ारा ३५ की उपद्यारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हा जान पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवण्यक है, भारत सरकार के वित्त मस्रालय (राजस्य विभाग) की ग्राधिमधना सर 136/82 सीमा-शत्क, वारीख 11 मई 19९३ का विस्वतिखित संशाधन ऋपती है, प्रयात --

उक्त अधिस्वता की अनस्की स, तस स० ३३३ और उससे सर्वाबन प्रतिरिष्टयो क पश्चान निम्निस्सिन ग्रन्तस्यापिन किना जायेगा, क्रथांत --

"221 स्व 10 मीमा-भल्क नार्रेख 11-1-198 स

[फा०म० 136/40/82-र्मामा-शतक-1[जेड०बो० नागण्य र. ग्रुवर मस्तिष्ठ

No. 21 CUSTOMS

G S.R. 63(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Costoms Act, 1962 (52 of 1952) read with sub-section (4) of section 44 of the Finance Act 1982 (14 of 1982), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue, No 136 82-Customs, dated the 11th May, 1982, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No 223 and the entries relating thereto, the following shall be insorted, namely -

"224 No. 20 83-Customs, dated the 11-2-1983.

JF. No. 426 40/82-Cus. JVI 7. B. NAGARKAR, Under Secv.